संक्षेप में

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज का लाभ बढ़ा

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 47 फीसदी बढ़कर 62.10 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। आईईएक्स ने एक बयान में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में उसे 42.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की कुल आय जून 2021 को समाप्त पहली तिमाही में 102.88 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 81.09 करोड़ रुपये थी। *भाषा*

परसिस्टेंट सिस्टम्स 2 हजार नियुक्तियां करेगी

मध्य स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी परसिस्टेंट सिस्टम्स वित्त वर्ष 2021-22 में दो हजार नई भर्तियां करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि यह भर्तियां व्यापार में वृद्धि के अनुसार की जाएंगी। कंपनी ने सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में एक कंपनी के कर्मचारियों को दूसरी कंपनी द्वारा खींचे जाने की प्रवृत्ति के वापस लौटने के दबाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। डिजिटलीकरण पर अधिक ध्यान देने से कंपनी के व्यवसाय में अच्छा सुधार हुआ है। *भाषा*

येस बैंक का शुद्ध मुनाफा 355 फीसदी बढ़ा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 23 जुलाई

निजी क्षेत्र के येस बैंक का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 355.2 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 207 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। गैर-ब्याज आय में बढ़ोतरी और प्रावधान में भारी कमी से मुनाफे को सहारा मिला। पिछले साल की समान अवधि में बैंक का शुद्ध लाभ 45 करोड़ रुपये रहा था। क्रमिक आधार पर बैंक ने मार्च तिमाही में 3,788 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया था। बैंक का शेयर आज बीएसई पर 13.07 रुपये पर स्थिर बंद हुआ।

जून तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 26.5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,402 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 1,908 करोड़ रुपये रही थी। अप्रैल-जून की अवधि में मोरेटोरियम लागू था और बैंक ने ब्याज आय अर्जित की, जिसे चौथी तिमाही (वित्त वर्ष 21) में वापस किया गया था। क्रमिक आधार पर शुद्ध ब्याज आय 42.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो उस दौरान 987 करोड़ रुपये रही थी। तिमाही में शुद्ध ब्याज मार्जिन घटकर 2.1 फीसदी रह गया, जो वित्त वर्ष 21 की पहली तिमाही में 3 फीसदी रहा था। हालांकि क्रमिक आधार पर शुद्ध ब्याज मार्जिन बढ़ा, जो चौथी तिमाही (वित्त वर्ष 21) में 1.6 फीसदी रहा था।

बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी प्रशांत कुमार ने कहा कि बैंक 2.6 फीसदी शुद्ध ब्याज मार्जिन के साथ वित्त वर्ष की समाप्ति करेगा। बैंक की गैर-ब्याज आय सालाना आधार पर 70.2 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1,056 करोड़ रुपये रही। क्रमिक आधार पर यह वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही के 816 करोड़ रुपये के मुकाबले 29.5 फीसदी बढ़ी। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार दर्ज हुआ और सकल एनपीए जून तिमाही में 15.6 फीसदी रहा, जो एक साल पहले 17.3 फीसदी रहा था। क्रमिक आधार पर सकल एनपीए मार्च तिमाही के 15.41 फीसदी के मुकाबले मामूली बढ़ा। बैंक का शुद्ध एनपीए इस अवधि में 5.78 फीसदी रहा, जो एक साल पहले 4.96 फीसदी रहा था। मार्च तिमाही में शुद्ध एनपीए 5.88 फीसदी रहा था।

बैंक का प्रावधान 40.7 फीसदी घटकर 644 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1,087 करोड़ रुपये रहा था। चौथी तिमाही में प्रावधान 5,240 करोड़ रुपये था।

एसबीआई काड्‌र्स का मुनाफा घटा

एसबीआई काड्‌र्स ऐंड पेमेंट सर्विसेज का शुद्ध लाभ जून तिमाही में सालाना आधार पर 22.5 फीसदी घट गया। जिसकी वजह ब्याज आय में गिरावट और उच्च प्रावधान थी। कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले साल की समान अवधि के 393 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 305 करोड़ रुपये रह गया। क्रमिक आधार पर हालांकि कंपनी का शुद्ध लाभ 73.6 फीसदी ज्यादा रहा।

कंपनी की ब्याज आय सालाना आधार पर 18.4 फीसदी घटकर 1,153 करोड़ रुपये रही, लेकिन कुल आय 11.6 फीसदी की बढ़त के साथ 2,451 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। साथ ही परिचालन राजस्व 9.7 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ जून तिमाही में 2,362 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एम्पेयरमेंट नुकसान व फंसा कर्ज सालाना आधार पर 33 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 645 करोड़ रुपये रहा। हालांकि क्रमिक आधार पर यह 8.4 फीसदी कम है। कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता सुधरी क्योंकि जून तिमाही के आखिर में सकल एनपीए 3.91 फीसदी रहा, जो मार्च तिमाही में 4.99 फीसदी था। इसी तरह शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.88 फीसदी रह गया, जो मार्च तिमाही में 1.15 फीसदी रहा था। 30 जून को लोन बैलेंस पर कुल संभावित क्रेडिट लागत 1,396.8 करोड़ रुपये थी। *बीएस*

ज्यादा प्रावधान से फिसला फेडरल बैंक का मुनाफा

निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का शुद्ध लाभ जून तिमाही में ज्यादा प्रावधान के कारण 8.35 फीसदी फिसल गया। तिमाही के दौरान बैंक ने 367 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया, जो पिछले साल की समान अवधि में 401 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 478 करोड़ रुपये रहा था। बैंक की शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 9.4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1,418 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 1,296 करोड़ रुपये रही थी। इस अवधि में शुद्ध ब्याज मार्जिन 3.15 फीसदी रहा, जो तीन तिमाहियों का निचला स्तर है। बैंक की अन्य आय 33.13 फीसदी की बढ़त के साथ 650.15 करोड़ रुपये रही, जिसे ट्रेजरी लाभ व बड़े खाते से एकमुश्त रिकवरी का फायदा मिला, जिसे विगत में बट्टे खाते में डाल दिया गया था।

जून तिमाही में बैंक का प्रावधान सालाना आधार पर 62.64 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 641.83 करोड़ रुपये रहा, जो क्रमिक आधार पर 164 फीसदी ज्यादा है। बैंक का सकल एनपीए जून तिमाही में बढ़कर 3.50 फीसदी पर पहुंच गया, जो मार्च तिमाही में 3.41 फीसदी रहा था। तिमाही के दौरान 640 करोड़ रुपये की नई राशि एनपीए में जुड़ी। तिमाही में बैंक ने 439 करोड़ रुपये के कर्ज को बट्टे खाते में डाला। बैंक का शुद्ध एनपीए 4 आधार अंक बढ़कर 1.23 फीसदी रहा। बैंक के एमडी व सीईओ श्याम श्रीनिवासन ने कहा, अप्रैल-मई में स्थिति चुनौतीपूर्ण थी। हमने जून के आखिर में स्थिति में सुधार देखा। लेकिन हर तरह की परेशानियों के बीच संग्रह की कोशिश काफी मजबूत रही। जून तिमाही में बैंक ने 2,915 करोड़ रुपये के कर्ज का पुनर्गठन किया, जो मार्च तिमाही में 1,917 करोड़ रुपये रहा था। कोविड संबंधी पुनर्गठन खाता 2,414 करोड़ रुपये का रहा।

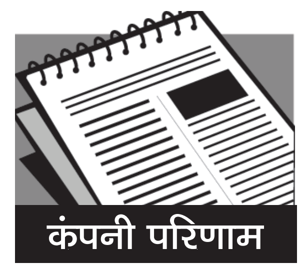

जेएसडबल्यू स्टील ने दर्ज किया मुनाफा

जेएसडब्ल्यू स्टील ने 2021-22 की जून तिमाही में 5,900 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया, जिसका मुख्य कारण अधिक आय है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने एक नियामकीय सूचना में बीएसई को बताया कि कंपनी ने एक साल पहले की इसी अवधि में 582 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कुल आय पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 11,914 करोड़ रुपये से बढ़कर 29,100 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले के 12,504 करोड़ रुपये के मुकाबले खर्च 20,804 करोड़ रुपये र हा। जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसडब्ल्यू समूह का एक हिस्सा है। जेएसडब्ल्यू स्टील की इस्पात, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, सीमेंट जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपस्थिति है।

एनएचपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

पंजीकृत कार्यालयः एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सैक्टर-33, फरीदाबाद-121003 (हरियाणा)
सीआईएनः L40101HR1975GOI032564
टेलीफोन : 0129-2250437 फैक्स नं.:0129-2278018
वेबसाइट : www.nhpcindia.com ई-मेलः investorcell@nhpc.nic.in

सूचना

कम्पनी के इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि (आईईपीएफ) में अंतरण

निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखांकन, लेखापरीक्षा, अंतरण और प्रतिदाय) नियम, 2016 ("आईईपीएफ नियम"), यथा संशोधित, के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 124 के प्रावधानों के अनुसरण में, एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि जिन शेयरों के संबंध में लगातार सात या उससे अधिक वर्षों से लाभांश की अदायगी नहीं की गई है या शेयर धारकों द्वारा दावा नहीं किया गया है, उन्हें कम्पनी द्वारा आईईपीएफ में अन्तरित कर दिया जाएगा।

आईईपीएफ नियम में यथा निर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुपालन में, कम्पनी ने दिनांक 19 जुलाई, 2021 के अपने पत्र के माध्यम से संबंधित शेयरधारकों, जिनके शेयर वित्तीय वर्ष 2021-22 में आईईपीएफ में अंतरण के लिए देय हो चुके हैं, को उनके नवीनतम उपलब्ध पते पर सूचित किया है कि वे अपने अदावाकृत/अप्रदत्त लाभांशों के लिए दावा प्रस्तुत करें। ऐसे शेयरधारकों से संबंधित विवरण http://www.nhpcindia.com/IEPF-hin.htm लिंक के अंतर्गत कम्पनी की वेबसाइट www.nhpcindia.com में अपलोड किए गए हैं। कम्पनी द्वारा अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए गए विवरण को शेयरों का आईईपीएफ में अंतरण के संबंध में पर्याप्त नोटिस माना जाएगा। यह भी सूचित किया जाता है कि अधिनियम और आईईपीएफ नियम के अनुपालन में, ऐसे शेयरों पर मिलने वाले सभी लाभ अर्थात् लाभांश, बोनस शेयर आदि को भी आईईपीएफ में अन्तरित किया जाएगा।

जिन शेयरों के लिए अक्टूबर, 2020 तक लगातार सात या इससे अधिक वर्षों तक लाभांश अदावाकृत या अप्रदत्त रहे हैं, उन्हें आईईपीएफ प्राधिकरण में पहले ही अंतरित किया जा चुका है। ऐसे शेयरधारकों का विवरण कम्पनी की वेबसाइट www.nhpcindia.com पर उपलब्ध हैं।

शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे वर्ष 2013-14 से लेकर अबतक के वर्षों के लिए अदावाकृत लाभांश का दावा प्रस्तुत करने के लिए पैनकार्ड की स्व-प्रमाणित प्रति और पते का प्रमाण सहित अपना खाता संख्या या फोलियों नम्बर का उल्लेख करते हुए अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट को तुरंत एक औपचारिक पत्र भेजें। यदि कम्पनी/रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट को 26 अक्टूबर, 2021 या ऐसी अन्य तारीख, जो आगे बढ़ाई जा सकती है, तक संबंधित शेयरधारकों से कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है तो कम्पनी आईईपीएफ नियम में दी गई प्रक्रिया के अनुसार बिना अन्य सूचना दिए शेयरों को आईईपीएफ में अन्तरित करने की कार्रवाई आरम्भ कर देगी।

संबंधित शेयरधारक जो भौतिक रूप में शेयर रखते हैं और जिनके शेयर आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित किए जाने हैं, वो ध्यान दें कि नियमानुसार इन शेयरों के डीमेटेरियलाइजेशन तथा इन्हें आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित करने के उद्देश्य से कंपनी उनके द्वारा रखे गए मूल शेयर प्रमाणपत्र के बदले में नया प्रमाणपत्र जारी करेगी। इसके साथ ही, शेयरधारकों के नाम पर पंजीकृत मूल प्रमाणपत्र स्वतः रद्द हो जाएंगे और विक्री योग्य नहीं रह जाएंगे।

शेयरधारक कृपया नोट करें कि आईईपीएफ नियम के तहत निर्धारित प्रक्रिया का अनुसरण करने के बाद आईईपीएफ में अन्तरित किए गए शेयरों और अदावाकृत राशियों के लिए आईईपीएफ से इन्हें वापस लेने का दावा किया जा सकता है। कृपया नोट करें कि उक्त नियमों के प्रावधानों के अनुसरण में आईईपीएफ में अन्तरित की गई अदावाकृत राशि और शेयरों के संबंध में कम्पनी के विरूद्ध कोई दावा नहीं किया जा सकेगा।

इस विषय पर किसी भी प्रश्न या स्पष्टीकरण के लिए शेयरधारक निम्नलिखित पतों पर सम्पर्क करें :

एनएचपीसी लिमिटेड	अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड,
एनएचपीसी कार्यालय परिसर सेक्टर-33 फरीदाबाद, हरियाणा -121003 टेलीफोनः 0129-2250437 फैक्स नं.: 0129-2278018 ई-मेल : investorcell@nhpc.nic.in	श्री अभिनव अग्रवाल/श्री महेश पाण्डेय अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड 4ई/2, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055 दूरभाषः 011-42541234, 011-42541951, टोल फ्री नंबरः 18601212155 फैक्सः 011-42541201, 011-23552001 ईमेलः alankit.nhpc@alankit.com

शेयरधारकों से अनुरोध है कि यदि शेयर अभौतिक रूप में धारित किए है तो अपनी डिपॉजिटरी प्रतिभागी (डीपी) के पास और यदि शेयर भौतिक रूप में धारित किए है तो कंपनी / आरटीए के पास अपने ईमेल आईडी और अन्य प्रासंगिक विवरण अद्यतन रखें ।

एनएचपीसी लिमिटेड के लिए और उसकी ओर से
हस्ता./-
दिनांकः 23.07.2021 (सौरभ चक्रवर्ती)
स्थान : फरीदाबाद कम्पनी सचिव

Hi-TECH PIPES
हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड
(CIN: L27202DL19850PLC019750)
पंजी. कार्यालयः 505, पर्ल्स ओमेक्स टॉवर, एनएसपी, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034
फोनः +91-11-48440050,
www.hitechpipes.in, info@hitechpipes.in,

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि लेखापरीक्षा समिति की बैठक और कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक गुरूवार, 29 जुलाई, 2021 को आयोजित की जाएगी जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, 30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों (एकल एवं समेकित) पर विचार एवं अनुमोदन किया जाएगा। यह सूचना कंपनी की वेबसाइट www.hitechpipes.in और स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट अर्थात www.nseindia.com पर भी उपलब्ध है।

इसके अलावा, सेबी (आंतरिक व्यापार का निषेध) विनियम, 2015, के लागू विनियमों के अनुसरण में, कंपनी के इक्विटी शेयरों के लेनदेन के लिए "ट्रेडिंग विन्डो" **जो 1 जुलाई, 2021 से बंद थी, अब 30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा के बाद 48 घंटे की समाप्ति तक बंद रहेगी।**

कृते हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड
हस्ता./-
स्थानः नई दिल्ली अरूण कुमार
तिथिः 23.07.2021 कंपनी सचिव

U. P. STATE SUGAR CORPORATION LTD.
VIPIN KHAND, GOMTI NAGAR, LUCKNOW-226010
Ph. No. 0522-2307826/28 Fax : 0522-2307895
Email : upstatesugarcorporation@gmail.com, www.upsugcorp.com
Ref. No. PUR/SSC/Tender/2021-22/481/P-09 Date : 23.07.2021

SHORT TERM E- TENDER NOTICE

Online e-tenders are invited from manufacturers/authorized distributors /Importers/Authorized dealers (as per details given in tender documents) for supply of Hand Picked Unslaked Lime to various Sugar Factories of U. P. State Sugar Corporation Ltd.. The e-tender documents with detailed specifications, make, terms and conditions etc., can be downloaded from e- tender portal http://etender.up.nic.in & Sugar Corporation's website: www.upsugcorp.com starting from 27.07.2021.
The Managing Director, Sugar Corporation reserves the right to cancel any or all bids/annul e-bidding process without assigning any reason to & decision of Corporation will be final & binding.
MANAGING DIRECTOR

Edelweiss Ideas create, values protect
एडलवाइस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
एडलवाइस हाउस पर पंजीकृत कार्यालय स्थित, कार्यालय सी.एस.टी रोड़, कलीना मुम्बई-400 098
प्रादेशिक कार्यालय पता : 3बी, पहली मंजिल, राजेन्द्र पार्क, पुसा रोड़, नई दिल्ली-110005

सरफैसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना

एतद् द्वारा यह सूचित किया गया है कि निम्नलिखित उधारकर्ता/ओं ने **ईएचएफएल** से उनके द्वारा प्राप्त ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक गए हैं और उक्त ऋण खातों को **गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए)** के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें वित्तीय परिसंपत्ति के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफैसी अधिनियम) की धारा 13(2) के तहत उनके अंतिम ज्ञात पते पर मांग सूचना जारी की गई थी। उक्त मांग सूचना के अतिरिक्त उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया गया है।
उधारकर्ताओं, प्रतिभूतियों, बकाया राशि, धारा 13(2) के त हत भेजी गई मांग सूचना और वहां दावा की गई राशि का विवरण निम्न प्रकार दिया गया है :

1 उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता, गारंटर का नाम और पता और ऋण राशि :
श्री तरूण कुमार (उधारकर्ता) श्री राजेश कुमार (सह-उधारकर्ता)
पता : 3/37 पहली मंजिल, सुभाष नगर दिल्ली-110027
ऋण खाता सं. LDEL0HL0000034616 **ऋण अनुबंध दिनांक :** 31-अगस्त-2017
ऋण राशि : रुपये 20,30,000/- **मांग सूचना :** 15-06-2021
बकाया राशि : रुपये 20,96,392.49/- (रुपये बीस लाख छियानबे हजार तीन सौ बानबे और उनचास पैसे मात्र) मांग सूचना की दिनांक से भविष्य का ब्याज सहित ।

प्रत्याभूत संपत्ति का विवरण : संपत्ति धारक सं. 4/159, संपूर्ण तीसला तल छत/छत अधिकार सहित, सुभाष नगर दिल्ली-110027 पर स्थित **कुल मापक क्षेत्र 100 वर्ग गज** का संपूर्ण व सर्वांगीण भाग, **पूर्व :** एनए, **पश्चिम :** एनए, **उत्तर :** एनए, **दक्षिण :** एनए,

इसलिए आप उपरोक्त उधारकर्ता/ओं से इस सूचना के 60 दिनों के भीतर उल्लेखित बकाया राशि के भुगतान के लिए कहा गया है, जिसके असफल होने पर अधोहस्ताक्षरी उपरोक्त प्रतिभूतियों को सरफैसी अधिनियम के तहत प्रवर्तित करने की कार्रवाई करने के लिए विवश होगा। कृपया ध्यान दें कि उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के अनुसार, आपको हमारी सहमति के बिना बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उपरोक्त-संदर्भित प्रतिभूतियों को स्थानांतरित करने से रोका जाता है।

स्थान : दिल्ली **हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी**
दिनांक : 24.07.2021 **प्रति एडलवाइस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**

Uttar Pradesh New and Renewable Energy Development Agency (UPNEDA)
(Department of Additional Sources of Energy, Govt. of U.P.)
Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow (U.P.), Tel.No. 9415609008, 0522-2720779, 2720829
Website: www.upsavesenergy.com, www.upneda.org.in E-Mail: ashok.upsda@gmail.com, ho_ashok@rediffmail.com
UPSavesEnergy.com ... an initiative by UPNEDA

Tender Notice

Bid NO.: GEM/2021/B/1373125

UPNEDA invites bids from experienced and interested consultancy firms/ consortiums for **"To organise Workshops cum training program for Farmers and other related stakeholders on Energy Conservation in Agricultural Sector."** The detailed scope of the work with eligibility conditions is described in the Bid Document.

The tender document is available at the website **https://gem.gov.in/**. The interested bidders may view, download bid document and submit their bid upto the date mentioned in the table below:

a)	Availability of the bid document on web site	From **22 July 2021** to **06 Aug 2021** upto 18:00 hrs on the website **www.etender.up.nic.in**.
b)	Pre-Bid Conference (Through Webinar / Video Conference)	**Pre-bid conference will be through Video Conference/ Webinar on 29 July 2021** from 11:00 AM to 11.45 hrs (Google Meet Link :- **https://meet.google.com/mkr-wyuz-bio**)
c)	Bid submission end date and time	**06-08-2021 upto 18:00:00 hrs**
d)	Technical bid opening date on GEM	**06-08-2021 at 18:30 hrs**
e)	Venue of opening Technical & Financial bid is UPNEDA Head Office	

The Director, UPNEDA reserves the right to reject any/all offer without assigning any reason thereof. The decision of the Director UPNEDA shall be final and binding.
DIRECTOR, UPNEDA

महिंद्रा हॉलिडेज की बोर्ड बैठक अगले सप्ताहः महिंद्रा हॉलिडेज ऐंड रिजॉर्ट्स इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसका बोर्ड बोनस इक्विटी शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए अगले सप्ताह बैठक करेगा।

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 29 जुलाई 2021 को होने वाली बैठक में निदेशक मंडल बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करेगा। महिंद्रा हॉलिडेज ऐंड रिजॉर्ट्स इंडिया 29 जुलाई को अपने तिमाही वित्तीय नतीजों की भी घोषणा करेगी। *भाषा*

मैक्स बुपा अब होगी निवा बुपा

निजी इक्विटी फर्म ट्रू नॉर्थ और बुपा के निवेश वाली एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनी मैक्स बुपा हेल्थ इंश्योरेंस ने खुद की रीब्रांडिंग निवा बुपा हेल्थ इंश्योरेंस के तौर पर की है।

इस बीमा कंपनी में मैक्स इंडिया की 51 फीसदी हिस्सेदारी थी और उसने फरवरी 2019 में 510 करोड़ रुपये के एक सौदे के तहत अपनी हिस्सेदारी ट्रू नॉर्थ को बेच दी थी। पूर्व प्रवर्तक इस कंपनी से बाहर हो गए थे लेकिन मैक्स ब्रांड के उपयोग को दो साल की अवधि में चरणबद्ध तरीके से खत्म किया जाएगा और उसके बदले कोई उपयुक्त नाम रखा जाएगा। हालांकि बुपा ब्रांड नाम में पहले की तरह जारी रहेगा।

कंपनी ने एक बयान में कहा, 'मैक्स इंडिया के बाहर निकलने और निजी इक्विटी फर्म ट्रू नॉर्थ के प्रवेश के साथ ही शेयरधारिता पैटर्न में बदलाव हुआ। ऐसे में मैक्स बुपा को इस बदलाव के मद्देनजर एक नई ब्रांड पहचान तैयार करने की आवश्यकता थी।' *बीएस*

को-वर्किंग को महामारी से बल

राघवेंद्र कामत
मुंबई, 23 जुलाई

साल की पहली छमाही के दौरान कंपनियों द्वारा को-वर्किंग जगह के लिए पट्टे में तेजी दर्ज की गई क्योंकि कोविड-19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के दौरान कंपनियों ने कर्मचारियों के घरों के समीप कार्यस्थल की व्यवस्था की थी। प्रॉपर्टी सलाहकार कुशमैन ऐंड वेकफील्ड ने कहा कि साल 2021 की पहली छमाही के दौरान पट्टे पर 31,538 सीट ली गईं और सालाना आधार पर इसमें 73 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

पिछले पूरे साल के दौरान कंपनियों ने 36,255 सीट पट्टे पर लिए थे। इसके विपरीत 2021 की पहली छमाही के दौरान छह भारतीय शहरों में कार्यालय के लिए जगह के पट्टे में सालाना आधार पर 22 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। प्रॉपर्टी सलाहकार कॉलियर्स ने यह खुलासा किया है। उसका कहना है कि 2021 की पहली छमाही के दौरान छह भारतीय शहरों में 1.01 करोड़ वर्ग फुट जगह कार्यस्थल पट्टे पर लिए गए। कुशमैन ने कहा कि साल 2021 के दौरान कंपनियों द्वारा पट्टे पर लिए गए कुल सीटों की संख्या 50,000 को पार कर सकती है।

पहली छमाही के दौरान को-वर्किंग क्षेत्र में पट्टे पर 31,538 सीट ली गईं और सालाना आधार पर इसमें 73 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई

कुशमैन ऐंड वेकफील्ड के प्रबंध निदेशक (भारत एवं दक्षिण पूर्व एशिया) अंशुल जैन ने कहा, 'वैश्विक महामारी के कारण कंपनियां अपने आकार के बावजूद लागत और कर्मचारियों की सुविधा के लिहाज से अपने दायरे पर नए सिरे से गौर करने के लिए मजबूर हुई हैं। मौजूदा बाजार परिदृश्य को देखते हुए छोटी और बड़ी कई कंपनियां सतर्क रुख अपना रही हैं। वे नए कार्यालय के लिए पट्टे पर हस्ताक्षर करने से पहले फिलहाल प्रतीक्षा करने की रणनीति अपना रही हैं।'

जैन ने कहा कि कंपनियां कार्यस्थल के लिए पट्टे पर हस्ताक्षर करने के बजाय स्मार्ट समाधान के तौर पर प्रबंधित जगह तलाश रही हैं। इससे उन्हें लागत में बचत होने के अलावा पट्टे में लचीलापन और काम करने के लिए हाइब्रिड/हब ऐंड स्पोक मॉडल की पेशकश करने में मदद मिलती है। यही कारण है कि पिछली दो से तीन तिमाहियों के दौरान को-वर्किंग क्षेत्र में मांग बढ़ी है जो 2021 की दूसरी तिमाही और 2022 में भी बरकरार रह सकती है।

शापूरजी पलोनजी इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी राजेश अग्रवाल ने कहा कि कंपनियां स्थायी जगह के लिए पट्टे पर हस्ताक्षर करने से पहले अनिश्चितता के खत्म होने का इंतजार कर रही हैं। इसके अलावा वे अपने कर्मचारियों को उनके घर के समीप कार्यस्थल उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

फ्लेक्सी-कैप पर फंडों का जोर

चिराग माडिया
मुंबई, 23 जुलाई

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ के रिकॉर्ड तोड़ एनएफओ के बाद अन्य एमएफ भी इस ओर आकर्षित
- निप्पॉन इंडिया एमएफ ने निप्पॉन इंडिया फ्लेक्सी-कैप फंड लाने की घोषणा की है
- आईटीआई एमएफ ने फ्लेक्सी-कैप योजना के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा कराए हैं

हाल में बनाई गई फ्लेक्सी-कैप फंड श्रेणी 11 लाख करोड़ रुपये के इक्विटी म्युचुअल फंड क्षेत्र में सबसे दमदार श्रेणी के तौर पर उभर रही है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सी-कैप फंड की जबरदस्त सफलता से उत्साहित होकर अन्य म्युचुअल फंड भी इस श्रेणी में नई फंड पेशकश (एनएफओ) लाने की तैयारी कर रहे हैं। उद्योग प्रतिभागियों का कहना है कि फ्लेक्सी-कैप श्रेणी इक्विटी म्युचुअल फंड क्षेत्र की सबसे बड़ी श्रेणी के रूप में उभर सकती है।

पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सी-कैप के एनएफओ ने रिकॉर्ड 10,200 करोड़ रुपये जुटाए। इस बीच, निप्पॉन इंडिया एमएफ ने मंगलवार को निप्पॉन इंडिया फ्लेक्सी-कैप फंड को लॉन्च करने की घोषणा की और आईटीआई एमएफ ने एक फ्लेक्सी-कैप योजना के लिए बाजार नियामक सेबी के पास पेशकश दस्तावेज जमा कराए हैं। जून के अंत तक फ्लेक्सी-कैप श्रेणी की कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 1.76 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई थीं। यह लार्ज-कैप श्रेणी की 1.95 लाख करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों के मुकाबले दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

फंड मैनेजर के पास किसी भी न्यूनतम निवेश सीमा के बिना स्मॉल-कैप, मिड-कैप, लार्ज-कैप और माइक्रो-कैप में बदलाव करने का लचीलापन होता है। उद्योग पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि नई योजनाओं के लॉन्च और लार्ज-कैप शेयरों के कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए ऐसा लगता है कि एयूएम के संदर्भ में केवल फ्लेक्सी-कैप योजनाएं कुछ समय बाद शीर्ष पायदान पर पहुंच जाएंगी।

बाजार नियामक सेबी ने सितंबर 2020 में मल्टी-कैप योजनाओं की विशेषताओं को संशोधित करने के बाद पिछले नवंबर की इसकी शुरुआत की थी। मल्टी-कैप योजनाओं के लिए कम से कम 25 फंड का निवेश लार्ज, मिड एवं स्मॉल-कैप स्टॉक में करने के लिए अनिवार्य किया गया है। बाजार में व्यापक तौर पर तेजी को देखते हुए फ्लेक्सी-कैप फंडों ने

वे दमदार निवेश को आकर्षित करने में समर्थ हैं। पिछले चार महीनों के दौरान फ्लेक्सी-कैप फंडों ने लगभग 3,700 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया है। इस श्रेणी की परिसंपत्ति जनवरी में 75,614 करोड़ रुपये थी जो बढ़कर जून में 1.76 लाख करोड़ रुपये हो गई।

फ्लेक्सी-कैप फंडों ने पिछले साल औसतन 52 फीसदी का रिटर्न दिया और इस प्रकार उसका प्रदर्शन लार्ज-कैप फंडों से बेहतर रहा जिसने 46 फीसदी की रिटर्न दिया। इसके मुकाबले सेंसेक्स में महज 41 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। बीओआई एक्सा फ्लेक्सी-केप फंड और पीजीआईएम इंडिया फ्लेक्सी-कैप फंड जैसे फंडों ने पिछले एक साल के दौरान क्रमशः 74.23 फीसदी और 69.84 फीसदी का रिटर्न दिया है। सलाहकार भी निवेशकों को फ्लेक्सी-कैप श्रेणी पर गौर करने

बिज़नेस स्टैंडर्ड
दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस (प्रा.) लिमिटेड, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301, उ. प्र. से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० WBHIN/2008/24333
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं1
टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स- 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया संपर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS

डिसक्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

This PDF was originally uploaded to Business Standard Newspaper - ePaper (https://t.me/bs_epaper). Subscribe now to get this edition before anyone else!! Backup channel: @news_backup